हरिभूमि

हिसार-हांसी भूमि

रोहतक, सोमवार 11 मई 2026

9 जीवन की सबसे बड़ी शक्ति और प्रेरणा होती है मां...

10 सूर्यवंशी महाराजा अरुट के नाम से हांसी में...

खबर संक्षेप

655 ग्राम अफीम सहित नशा तस्कर गिरफ्तार

हिसार। सीआईए टीम ने 655 ग्राम अफीम सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। सहायक उप निरीक्षक राममेहर टीम ने उक्त आरोपी ऑटो मार्केट आदमपुर मंडी में किराए पर रहने वाले काजल हेडी निवासी शमशेर सिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस ने गश्त के दौरान मिली सूचना के आधार पर भादरा रोड, आदमपुर के पास जाल बिछाया। पुलिस टीम को देखकर आरोपी ने घबराकर वापस भागने की कोशिश की, लेकिन उसे दबोच लिया गया।

आर्यनगर के होटल में जुआ खेलते 6 काबू

हिसार। आजाद नगर पुलिस टीम ने आर्यनगर गांव के पास होटल में जुआ खेलने वालों पर छापा मारकर 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनसे 25 हजार 590 रुपये बरामद किए हैं। आज़ाद नगर थाना प्रभारी दलबीर ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान आर्य नगर निवासी विनोद, मान सिंह, दिलबाग, राजपाल व संजीव तथा रावलवास खुर्द निवासी पवन के रूप में हुई है। उन्होने बताया कि उप निरीक्षक सुभाष अपनी पुलिस पार्टी के साथ गश्त पर थे कि इसी दौरान मिली सूचना के आधार पर होटल पर छापा मारकर उन्हें पकड़ लिया गया।

पुलिस ने 6 लीटर कच्ची शराब सहित एक पकड़ा

हिसार। अग्रोहा पुलिस ने किरोड़ी गांव में अवैध कच्ची शराब बेचने के आरोप में एक व्यक्ति को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गांव के मुकेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गश्त के दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि किरोड़ी गांव के सांसी मोहल्ला में एक व्यक्ति अपने घर के बाहर प्लास्टिक की कैनी में कच्ची शराब रखकर राहगीरों को बेच रहा है। सूचना के बाद पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी की। पुलिस टीम को देखकर आरोपी ने भागने की कोशिश की लेकिन बाएं पैर से दिव्यांग होने के कारण वह सफल नहीं हो सका और पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के पास रखी प्लास्टिक की कैनी की तलाशी ली तो उसमें से 6 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। उस पर केस दर्ज कर लिया गया है।

मंगाली स्कूल में हमले का आरोपी पवन दबोचा

हिसार। पुलिस ने गांव मंगाली के एक प्राइवेट स्कूल में हुए जानलेवा हमले के मामले में तीसरे मुख्य आरोपी को मंगाली सुरतिया निवासी पवन पूनिया को गिरफ्तार किया है। गत 3 अप्रैल को खैरमपुर निवासी बीर सिंह ने पुलिस को शिकायत दी थी कि जब वह अपने जीजा अमरदीप के साथ स्कूल की बिल्डिंग के किराए और मालिकाना हक के सिलसिले में क्रिएटिव विजन स्कूल गया, तब स्कूल संचालक सतीश भाकर व अन्य 8-10 व्यक्तियों ने डंडों, बिंडों और लोहे की रॉड से उन पर हमला किया और उनके मोबाइल फोन छीन लिए। पुलिस ने इस मामले में पहले दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

उद्घोषित अपराधी को किया गिरफ्तार

नारनौंद। पुलिस ने एक उद्घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपित युवक की पहचान नारनौंद निवासी साहिल के रूप में हुई है। आरोपित युवक चोरी के एक मामले में अदालत से लगातार गैरहाजिर चल रहा था। जांच अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपित युवक साहिल चोरी के मामले में पकड़ा गया था और जब वह जमानत पर बाहर आया तो लगातार गैर हाजिरी के चलते अदालत ने उसको 15 दिसंबर को उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था। पुलिस टीम ने साहिल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद आरोपित को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

नगर पालिका चुनाव: उकलाना में मामूली कहासुनी के अलावा वोटिंग शांतिपूर्ण

75.7 प्रतिशत से अधिक मतदान प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद

उकलाना नगरपालिका के लिए सुबह मतदान शुरू हुआ। यहां पर पहले मतदान धीमी गति से चला, जो बाद में गति पकड़ गया। किसी वार्ड में मतदाताओं ने खूब उत्साह दिखाया, लेकिन कहीं-कहीं यह महज औपचारिकता ही नजर आया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उकलाना

नगरपालिका उकलाना में अध्यक्ष एवं पार्षद पदों के लिए रविवार को मतदान शांतिपूर्ण ढंग से हो गया। चुनाव में कुल 15 हजार 507 मतदाताओं में से 11 हजार 744 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। इस प्रकार कुल मतदान 75.7 प्रतिशत से अधिक दर्ज किया गया। मतदान समाप्त होने के साथ ही सभी प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया।

मतदान के दौरान युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों में विशेष उत्साह देखने को मिला। प्रत्याशियों ने भी अपने मत का प्रयोग किया और मतदाताओं से लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। प्रशासन की ओर से मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे, जिसके चलते मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। चुनाव में सबसे अधिक मतदान वार्ड नंबर 16 में 85.98 प्रतिशत दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम मतदान वार्ड नंबर 7 में 66.78 प्रतिशत रहा।

उकलाना में 15 वार्डों में पार्षद पद के लिए मतदान हुआ, जहां कुल 54 उम्मीदवार चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमाई। चेयरपर्सन पद के लिए कुल चार उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें भाजपा प्रत्याशी निकिता गोयल, निर्दलीय उम्मीदवार डॉ. सोनिया बतरा, मीनू रानी और रीमा सोनी शामिल हैं। इसके अलावा मतदाताओं के लिए ईवीएम में नोटा का विकल्प भी उपलब्ध था।

फर्जी वोटिंग के आरोप

वोटिंग के दौरान उकलाना में बूथ नंबर 2 और 3 पर फर्जी वोटिंग का आरोप लगाते हुए हंगामा हुआ। भाजपा प्रत्याशी निकिता गोयल के ससुर श्रीनिवास गोयल मौके पर पहुंचे और भाजपा कार्यकर्ताओं ने फर्जी वोटिंग होने की बात कही। यहां पर वोट डालने आए एक परिचालक ने बताया कि जब वह अपनी वोट डालने के लिए पहुंचा तो वहां एक एजेंट ने बताया कि सुबह आपकी वोट कोई अन्य व्यक्ति डालने आया था, जिसे हमने भगा दिया था।

बूथ 4 व 13 हाईपर सेंसिटिव

चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। बूथ नंबर 4 और 13 को हाइपर सेंसिटिव घोषित किया गया, जबकि वार्ड नंबर 7, 8 और 10 के बूथों को सेंसिटिव श्रेणी में रखा गया। इन बूथों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया और विशेष निगरानी रखी गई।

वार्ड अनुसार वोट प्रतिशत

वार्ड	कुल वोट	पड़े वोट	मतदान
1	881	675	76.62%
2	982	695	70.77%
3	1042	744	71.40%
4	967	721	74.56%
5	1102	855	77.59%
6	844	617	73.10%
7	912	609	66.78%
8	1122	822	73.26%
9	1212	900	74.26%
10	927	759	81.88%
11	954	789	82.70%
12	811	590	72.75%
13	958	781	81.52%
14	1014	788	77.71%
15	1087	804	73.97%
16	692	595	85.98%
कुल	**15507**	**11744**	**75.73%**

ईवीएम सुरक्षित स्ट्रांग रूम में रखवाई गई

हिसार। उकलाना नगरपालिका चुनाव तथा मंडी आदमपुर एवं जवाहर नगर सहित अन्य क्षेत्रों में पंचायत चुनावों के लिए रविवार को मतदान प्रक्रिया पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। उकलाना नगर पालिका के लिए चेयरमैन तथा कुल 16 वार्ड में से 15 वार्ड के लिए लोगों ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सात नम्बर वार्ड से पहले ही सर्वसम्मति से उम्मीदवार की चुना गया था। प्रशासन द्वारा मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं, जिसके चलते मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। शाम 6 बजे तक के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार उकलाना नगरपालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में 15507 मतदाताओं में से 75.7 प्रतिशत यानि 11744 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिला प्रशासन की ओर से सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा, कानून व्यवस्था एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप व्यापक प्रबंध किए गए थे। मतदान के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ अपनी ड्यूटी निभाई, जिससे चुनाव प्रक्रिया बिना किसी बाधा के संपन्न हो सकी। मतदान समाप्त होने के बाद सभी मतदान केंद्रों से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत सुरक्षित रूप से एकत्रित कर स्ट्रांग रूम में रखवाया गया। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है तथा निगरानी के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

हांसी में रात्रि गश्त में 565 वाहनों की जांच कर 108 के काटे चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

जिला पुलिस की ओर से विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों, बाजारों, मुख्य सड़कों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा सघन जांच की गई। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 565 वाहनों की जांच की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 108 वाहन चालकों के चालान किए गए। कार्रवाई के दौरान बिना नंबर प्लेट चलने वाले 5 वाहन तथा ओवरस्पीड के 16 मामले सामने वाहनों के चालान किए गए। इस दौरान पुलिस द्वारा वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें हेलमेट, सीट बेल्ट, वैध दस्तावेज रखने एवं सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार के अभियान निरंतर जारी रहेंगे। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करें, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें तथा निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं।

जवाहर नगर से सलमा, मंडी आदमपुर से जगत बने सरपंच

आदमपुर। आदमपुर शहर एवं जवाहर नगर में सरपंच के दो व पंच पदों के लिए रविवार को हुआ मतदान हुआ। जवाहर नगर से सलमा ज्याणी एवं मंडी आदमपुर ग्राम पंचायत के चुनाव में जगत अग्रवाल सरपंच चुने गए। जवाहर नगर में सलमा ने नीलम धधांधल को मात्र तीन वोटो से हराया। रामदेव मंदिर स्कूल में को नीलम 725 तथा सलमा को 646 वोट मिले तारा देवी को 635 वोट मिले। शांति निकेतन स्कूल में वोटों से सलमा देवी 82 वोटो से आगे रही जिसके चलते सलमा देवी तीन वोटो से जीत कर सरपंच बन गई। उधर, मंडी आदमपुर में जगत अग्रवाल ने 649 वोटो से जीत दर्ज की।

नवनिर्वाचित सरपंच जगत अग्रवाल पूर्व सरपंच सुभाष अग्रवाल के पुत्र हैं। जीत के बाद उन्होंने एक जुलुस निकाला जिसमें पटाखे छोड़कर ढोल नगाड़ों से नाच गाकर खुशियां प्रकट की। इस अवसर पर जगत अग्रवाल ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेवारी दी गई है, उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

शांतिपूर्ण हुआ मतदान: सुबह ही केंद्रों पर जुट गई थी भीड़

मतदान केन्द्रों पर मतदान सुबह से भीड़ देखने को मिली तथा लोगों में मतदान के प्रति काफी उत्साह देखा गया। बुजुर्ग, महिलाएं युवा मतदान के लिए काफी उत्साहित थे। चुनाव के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए थे तथा राजस्थान से लगते सीमा पर भी नाके के लगाए गए थे ताकि कोई भी असामाजिक तत्व सीमा में प्रवेश न करने पाए। आदमपुर मार्केट कमेटी में वार्ड नंबर 1 से 5, कन्या विद्यालय में 6 से 15 तथा प्राइमरी स्कूल में 16 से 20 तक वार्ड बनाए गए थे। इसी तरह जवाहर नगर में रामदेव मंदिर स्कूल में 1 से 7 तथा शांति निकेतन पब्लिक स्कूल में 8 से 17 वार्ड के बूथ बनाए गए थे। सभी बूथों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे।

साहसी कदम ट्रैकिंग शुरू कर इतिहास बनाने जा रहे रोहताश, बोले- किसी से होड़ नहीं; खुद को आजमाने की जिद

इस बार एवरेस्ट के 'डेथ जोन' में 24 घंटे गुजारेंगे रोहताश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

बात जब ऊंचे पहाड़ों और फौलादी इरादों की आती है तो जिले के रोहताश खिलेरी (बिश्नोई) का नाम पूरी दुनिया में गूंजता है। माउंट एवरेस्ट से लेकर किलिमंजारो तक तिरंगा लहराने वाले इस जांबाज पर्वतारोही ने इस बार अपना लक्ष्य एवरेस्ट के शिखर यानि डेथ जोन में 24 घंटे गुजारना निश्चित किया है।

काठमांडू से लुकला एयरपोर्ट पहुंचने के बाद रोहताश ने अपनी ट्रेकिंग शुरू कर दी है। उनका कहना है कि महान पर्वतारोही वह नहीं जो सिर्फ चोटी पर पहुंचे, बल्कि वह है जो पहाड़ों का सम्मान करे और सही समय का इंतजार करना जानता हो। रोहताश खिलेरी का नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज है। उनकी अब तक की यात्रा किसी मिसाल से कम नहीं है। माउंट एवरेस्ट फतह कर 16 मई 2018 को पहली बार दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर कदम रखा। यूरोप का गौरव एवं सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस समर और विंटर दोनों सीजन में फतह करने वाले वे एकमात्र भारतीय हैं। यहां 24 घंटे रुकने का वल्ड रिकॉर्ड आज भी खिलेरी के नाम है। अफ्रीका का शिखर माउंट किलिमंजारो पर भी 24 घंटे रुकने का अद्भुत कीर्तिमान स्थापित किया। माउंट फ्रेंडशिप और माउंट मून जैसी कठिन चोटियों पर भी अपनी जीत दर्ज की। अब एक बार फिर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराने के लिए वे दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के आंचल में पहुंच चुके हैं। काठमांडू से लुकला एयरपोर्ट पहुंचने के बाद रोहताश ने अपनी ट्रेकिंग शुरू कर दी है। इस बार उनका लक्ष्य एवरेस्ट के शिखर यानी 'डेथ जोन' में 24 घंटे गुजारना है।

बाबू चिरी शेर्पा के प्रति सम्मान और अपनी चुनौती

इस मिशन को लेकर सोशल मीडिया और पर्वतारोहण जगत में हो रही चर्चाओं पर रोहताश ने विनम्रता के साथ अपनी स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि नेपाल के महान पर्वतारोही बाबू चिरी शेर्पा एक लेजेंड है। उन्होंने 1999 में बिना ऑक्सीजन के शिखर पर 21 घंटे बिताकर असाधारण कीर्तिमान स्थापित किया था। मैं उनकी और उनके उस महान रिकॉर्ड की दिल से इज्जत करता हूं। रोहताश ने कहा कि मैं यहां किसी का रिकॉर्ड तोड़ने या किसी के खिलाफ खड़ा होने नहीं आया हूं। मेरा मुकाबला किसी इंसान से नहीं, बल्कि खुद से है। 'डेथ जोन' में 24 घंटे बिताना मेरा एक व्यक्तिगत सपना और जीवन की एक बड़ी चुनौती है जिसे मैं पूरा करना चाहता हूं। मैं पहाड़ों का और वहां की प्रकृति का सम्मान करता हूं और उन्हीं के आशीर्वाद से इस कठिन मार्ग पर आगे बढ़ रहा हूं।

अगला पड़ाव एवरेस्ट बेस कैंप

वर्तमान रणनीति के बारे में रोहताश ने साझा किया कि फिलहाल उनका प्लान ट्रेकिंग करते हुए एवरेस्ट बेस कैंप तक पहुंचने का है। वहां के वातावरण में खुद को ढालने और मौसम की स्थिति को करीब से देखने के बाद ही शिखर की ओर बढ़ने का फाइनल फैसला लिया जाएगा। वहां की परिस्थितियों और मेरी शारीरिक फिटनेस के आधार पर ही तय होगा कि इस साल आगे की चढ़ाई कैसे और कब होगी।

492 पर्वतारोहियों में 58 भारतीय

रोहताश खिलेरी ने बताया कि इस साल माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई का जुनून पूरी दुनिया में देखने को मिल रहा है। नेपाल सरकार ने इस सीजन के लिए रिकॉर्ड 492 पर्वतारोहियों को परमिट जारी किए हैं। विशेष रूप से, इस सूची में 58 भारतीय पर्वतारोही शामिल हैं, जो दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर तिरंगा फहराने का इरादा रखते हैं। रोहताश ने बताया कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी और अनिश्चित मौसम के कारण यह चढ़ाई और भी जोखिम भरी हो गई है, लेकिन उनका पूरा ध्यान अपनी ट्रेनिंग और सुरक्षा पर है।

साइबर ठगी के शिकार व्यक्ति को वापस दिलाए साढ़े 67 हजार रुपये

हिसार। शहर थाना पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार हुए एक व्यक्ति से ठगी गई राशि वापस दिलाने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई के चलते पीड़ित को उसके 67500 रुपये वापस मिल गए हैं।

शहर थाना के पीएसआई जितेन्द्र ने बताया कि गंगवा गांव में किराए पर रहने वाले मूल रूप से सुलतानपुर निवासी दीपक के साथ 67500 रुपये की साइबर धोखाधड़ी हुई थी। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने तुरंत एनसीसीआरपी पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराई थी जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने केस दर्ज किया। शहर पुलिस ने शिकायत मिलते ही तकनीकी अनुसंधान और बैंक अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर ठगी गई राशि को फ्रीज करवाया।

कानूनी प्रक्रिया और कोर्ट के नियमों के अनुसार सुपरदारी की प्रक्रिया को पूरा करते हुए, यह पूरी राशि पीड़ित के खाते में वापस सुरक्षित पहुंचा दी गई है। अपनी राशि वापस पाने के बाद दीपक ने थाना शहर पहुंचकर पुलिस का धन्यवाद किया। उन्होंने लिखित आवेदन के माध्यम से अवगत कराया कि वे पुलिस की कार्रवाई से पूरी तरह संतुष्ट हैं और अब इस मामले में आगे कोई कानूनी कार्रवाई नहीं चाहते हैं

खोखरा कोट

रोहतक शहर के मध्य बसे खोखरा कोट का इतिहास शताब्दियों पुराना है। खुदाई के दौरान यहां से 350 ई. पूर्व के प्राचीन अवशेष भी प्राप्त हुए हैं। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को देखते हुए पुरातत्व विभाग ने इसे अपने अधीन ले रखा है। इतिहासकार बताते हैं कि योधेयों के नगर रहे खोखरा कोट में राजप्रणाली प्रजातंत्र की होती थी। इसका अंतिम शासक खोखर गोत्र का व्यक्ति था, जिसकी वजह से इसका नाम खोखरा कोट पड़ा। कोट का अर्थ किला होता है।

हरिभूमि
रोहतक, सोमवार, 11 मई 2026

रागनियों में लोकाचार और सामाजिक मूल्य

हरियाणवी रागनियां मनोरंजन के साथ-साथ हमें सिखाती हैं कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना है, कैसे संबंधों की पवित्रता को बनाए रखना है और कैसे लोकाचार और सामाजिक मूल्यों का यह समन्वय ही हरियाणवी संस्कृति को विशिष्टता प्रदान करता है।

लोक संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणवी जनमानस की रगों में जो संस्कृति और दर्शन प्रवाहित होता है उसका सबसे मुखर और प्रमाणिक दस्तावेज हैं हरियाणवी रागनी। यह केवल मनोरंजन का साधन मात्र नहीं हैं बल्कि यह उस सामाजिक ताने-बाने, नैतिकता, लोक-व्यवहार और जीवन-दर्शन का निचोड़ हैं जिसे सदियों से हरियाणा के ग्रामीण आंचल ने जिया है।

जब हम हरियाणवी रागनियों में लोकाचार और सामाजिक मूल्य का अध्ययन करते हैं तो पाते हैं कि हरियाणवी लोक-कवियों और सांगी कलाकारों ने समाज के हर सूक्ष्म पहलू को अपनी लेखनी से छुआ है। चाहे वह मित्रता की मर्यादा हो, गरीबी का दंश हो, भक्ति का मार्ग हो या पारिवारिक रिश्तों की कड़वाहट और मिठास। लोकाचार का अर्थ है, वह व्यवहार जो समाज में प्रचलित हो और जिसे नैतिकता की कसौटी पर परखा गया हो। हरियाणा की माटी के इन लोक-कवियों ने अपनी रागनियों के माध्यम से समाज को आईना दिखाने का काम किया है। इन रचनाकारों ने ग्रामीण परिवेश की शब्दावली में उन गूढ़ रहस्यों को प्रकट किया है, जिन्हें समझने के लिए बड़े-बड़े ग्रंथों की आवश्यकता पड़ती है। लोकाचार में सत्य की महिमा सर्वोपरि है, लेकिन सत्य का मार्ग कितना कठिन है और मानवीय स्वभाव में अविश्वास की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका सजीव चित्रण बाजे भगत की लेखनी में मिलता है।

साची बात कहण म्हं सखी होया करै तकरार
दगाबाज बेरहम बहन ना मरदां का इतवार
धन माया के बारे म्हं किसे बिरले तै दिल डाट्या जा सै
जो तनै दे दिया राज दान म्हं, मेरे तै के नाट्या जा सै

यहां कवि ने न केवल सामाजिक तकरार की बात की है, बल्कि बिरले व्यक्तियों के माध्यम से उस ऊंचे चरित्र की ओर संकेत किया है जो मोह-माया से मुक्त है। सामाजिक मूल्यों में वचन और दान की महत्ता को बाजे भगत सर्वोपरि मानते हैं।

समाज में आर्थिक स्थिति और मानवीय संबंधों के अंतर्संबंधों पर जब हम विचार करते हैं, तो पं. मांगे राम का दर्शन एक कठोर सत्य बनकर उभरता है। हरियाणा के लोक साहित्य में दरिद्रता को केवल भौतिक अभाव नहीं माना गया, बल्कि इसे समस्त दुखों की जननी और रिश्तों के बिखराव का कारण बताया गया है। मांगे राम के शब्दों में लोकाचार का यह पक्ष अत्यंत मर्मस्पर्शी है :

टोट्टे आळे माणस का पिया नहीं किसे संग प्यार रहै
मां का जाया दुश्मन बणज्या हरदम खाए खार रहै
बोल में बोल मिलै ना किसे का न्यू घर म्हं तकरार रहै
काम म्हं बरकत कती नहीं जब धुर तै पाटी सार रहै

लोककवि मांगे राम यहां गरीबी के उस मनोविज्ञान को पकड़ रहे हैं, जहां अभाव में मनुष्य का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और सगे भाई-बंधु भी दूरी बना लेते हैं। यह लोकाचार का वह यथार्थवादी पक्ष है जो समाज को आर्थिक रूप से सशक्त होने और स्वाभिमान के साथ जीने की प्रेरणा देता है। वे सामाजिक मूल्य के रूप में आत्मसम्मान को जीवन से भी ऊंचा स्थान देते हैं।

धर्म और पाखंड के बीच की महीन रेखा को समझना भी लोकाचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुंशी राम जांडली उन ढोंगी लोगों पर प्रहार करते हैं जो केवल शब्दों का जाल बुनकर समाज को गुमराह करते हैं। उनकी दृष्टि में दिखावटी ग्रंथ रचना की अपेक्षा लोक-कल्याण ही वास्तविक धर्म है :

घरां बैठ के ग्रंथ बणा ले झूठ चलावण लागे
जीभ चटोरे ऊत लुटेरे जाल फैलावण लागे

इस कटाक्ष के समानांतर जब हम मेहर सिंह की रचना को देखते हैं, तो हमें धर्म का वास्तविक और सकारात्मक पक्ष दिखाई देता है। मेहर सिंह के अनुसार धर्म कोई बंधन नहीं, बल्कि वह प्रकाश है जो मनुष्य के भीतर के अंधकार को मिटाता है :

नजर फला कै देख लिए नित पेड़ धर्म का फलता है
सत का तेल घलै दीपक मैं तो ज्ञान उजाला जलता है
धर्म के फंदे मैं फंस कै मन नहीं हिलाया हिलता है
अच्छी शोभत वाले को पिया अच्छा ही फल मिलता है

मेहर सिंह यहां संदेश देना चाहते हैं कि सत यानी सत्य का आचरण ही वह तेल है जिससे ज्ञान का दीपक प्रज्ज्वलित रह सकता है।

मानवीय स्वभाव की कोमलता और अटूट विश्वास की बात करते हुए रामकिशन व्यास ने जो उदाहरण दिए हैं, वे लोक-बुद्धि की पराकाष्ठा हैं। वे समझाते हैं कि कुछ चीजें जीवन में इतनी नाजुक होती हैं कि एक बार की लापरवाही उन्हें सदैव के लिए नष्ट कर सकती है :

मन मौती और दुध बताया इनका एक सुभा से
पाटे पिछे फेर मिले ना यो कुदरत का न्या सै

यह उपमा लोकाचार की उस मर्यादा को स्थापित करती है, जहां व्यक्ति को अपने शब्दों और आचरण के प्रति अत्यंत सजग रहना चाहिए। मन का फटना समाज में अविश्वास की खाई पैदा करता है जिसे फिर कभी भरा नहीं जा सकता। यहां विश्वास को सबसे बड़े सामाजिक मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है।

पंडित लखमीचंद, जिन्हें हरियाणा का सूर्य कवि कहा जाता है, उन्होंने मित्रता की आड़ में छिपे पाखंड और स्वार्थ को अत्यंत स्पष्टता के साथ चित्रित किया है। उनकी दृष्टि में मित्रता एक तपस्या है, लेकिन कलयुगी समाज में इसे केवल स्वार्थ सिद्धि का साधन बना लिया गया है :

नई-नई यारी लागै प्यारी दोष पाछले ढक ले
मतलब खात्यर यार बणें फेर थोड़े दिन में छिक ले
नहीं जाणते फर्ज यार का पाप पंक में पक ले
कैं तैं खाज्यां धन यार का ना बाहण बहू नै तक ले
करें बहाना यारी का इसे यार बणे हांडै सैं

लखमीचंद की यह चेतावनी समाज के नैतिक पतन की ओर इशारा करती है। वे उन मर्यादाओं की याद दिलाते हैं, जहां मित्र के परिवार को अपना परिवार समझा जाता था। यहां शुद्ध आचरण और निःस्वार्थ प्रेम जैसे सामाजिक मूल्यों पर बल दिया गया है।

> *विभिन्न लोक-कवियों की कुछ रागनियों के सन्दर्भों के समग्र विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन मात्र नहीं है, बल्कि यह मानवीय जीवन को सुसंस्कृत बनाने वाली एक पाठशाला है।*

सामाजिक विडंबनाओं और न्याय के अंतर्विरोधों पर हरिकेश पटवारी का चिंतन अत्यंत गहरा है। वे देखते हैं कि समाज अक्सर उन लोगों के प्रति निष्ठुर हो जाता है जो सीधे और सरल होते हैं :

शुद्ध स्वतंत्र संतोषी, महाकष्ट विपत भरते देखे
डूबे सुने तैराक बली, कायर के हाथ मरते देखे
चालबाज बदमाश मलंग से, बड़े-बड़े डरते देखे
शील संत और साधारण का, सब मखौल करते देखे

पटवारी जी इस रचना के माध्यम से उस कड़वी हकीकत को बयां करते हैं, जहां सज्जनता को कमजोरी का पर्याय मान लिया जाता है। लोकाचार का यह पक्ष हमें सोचने पर विवश करता है कि क्या हम वास्तव में गुणों का सम्मान करने वाला समाज बना पाए हैं?

पारिवारिक नैतिकता और माता-पिता के प्रति कर्तव्यों की जब बात आती है, तो ज्ञानी राम शास्त्री की रागनी एक कालजयी उपदेश बन जाती है। वे उस पाखंड को जड़ से मिटाने की बात करते हैं जो जीवित अवस्था में तिरस्कार और मृत्यु के पश्चात सम्मान का प्रदर्शन करता है:

मात पिता के मरे बाद आंसू टपकाकै के होगा
जिन्दें जी जूते मारे फेर फूल चढ़ाकै के होगा
कहणा मन्या नहीं कदे फेर तिलक लगणा ठीक नहीं
छुए कोन्या पैर कदे फेर शीश झुकाणा ठीक नहीं

यह रचना हरियाणा के उन मूल संस्कारों का प्रतिनिधित्व करती है, जहां पितृभक्ति को ही सबसे बड़ा तीर्थ माना गया है। लोकाचार का यह अनिवार्य हिस्सा है कि व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहे, न कि कर्मकांडों के पीछे भागे। यह सामाजिक मूल्यों की आधारशिला है।

अंत में, विद्या और ज्ञान के अर्जन के लिए आवश्यक अनुशासन और विनम्रता पर निहाल चंद निहाल का दर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे स्पष्ट करते हैं कि ज्ञान कोई स्थिर वस्तु नहीं है, बल्कि यह निरंतर अभ्यास की मांग करता है :

मुख पै करूं सराहना इसकी, विद्या का नहीं ध्यान धरै।
ऐसी बुद्धि हो ज्यागी जैसे, बिन मांजी तलवार जरै।
बिना घमण्ड अभ्यास करे तै, विद्या का भण्डार भरै।
ऋषि मुनि कहते आवैं, अभिमान ज्ञान का नाश करै।

निहाल चंद निहाल की यह पंक्तियां समझाती हैं कि बुद्धि और विद्या को निरंतर मांजना पड़ता है, अन्यथा वे जंग लगी तलवार की तरह निष्प्रभावी हो जाती हैं। यहां विनम्रता और निरंतरता को बौद्धिक सामाजिक मूल्य के रूप में स्थापित किया गया है। विभिन्न लोक-कवियों की कुछ रागनियों के सन्दर्भों के समग्र विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन मात्र नहीं है, बल्कि यह मानवीय जीवन को सुसंस्कृत बनाने वाली एक पाठशाला है। भिन्न-भिन्न कालखंड में बाजे भगत से लेकर निहाल चंद निहाल जैसे सभी लोक-कवियों ने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को एक नैतिक दिशा देने का प्रयास किया है।

हरियाणवी रागनियां मनोरंजन के साथ-साथ हमें सिखाती हैं कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना है, कैसे संबंधों की पवित्रता को बनाए रखना है और कैसे लोकाचार और सामाजिक मूल्यों का यह समन्वय ही हरियाणवी संस्कृति को विशिष्टता प्रदान करता है। जब तक ये स्वर गूंजते रहेंगे, समाज में नैतिकता और मानवीय मूल्यों की रक्षा होती रहेगी। यह आलेख इन महान लोक-कवियों की उस दूरदर्शिता को समर्पित है जिन्होंने लोक-भाषा में जीवन के गूढ़ रहस्यों को पिरोकर हमें सौंप दिया है ताकि हम अपनी जड़ों से जुड़े रह सकें और एक न्यायप्रिय व सुसंस्कृत समाज का निर्माण कर सकें।

रागिनी | शकुन्तला काजल 'शकुन'

दिल मैं वतन समाज्यागा

भारत की सेवा की जिस दिन, जन-जन कसम उठाज्यागा,
दुनिया के म्हाँ देश हमारा..सब तैं आगै आज्यागा..।

देशद्रोही और आतंकी, घणी कर चुके हैं नौटंकी!
मारे जां ये सारे सनकी दुश्मन भी भय खाज्यागा।
दुनिया के म्हाँ.........।

जात-पात न भाषा देखो, न धर्म के नाम तमाशा देखो !
देशप्रेम रस पी कै देखो-दिल म्हँ वतन समाज्यागा..
दुनिया के म्हाँ.............।

हीरे-मोती से अपणे टाबर, छोरा-छोरी एक बराबर!
देवां संस्कार पावाँगे आदर मजा रै जीणै का आज्यागा...
दुनिया के म्हाँ........।

योग कर्म जग करणे लगज्या, हर घर की तस्वीर संवरज्या !
जग म्हँ विश्व गुरु का दर्जा-हट कै भारत पाज्यागा..
दुनिया के म्हाँ.........।

नवाचार की अलख जगावाँ, नवभारत निर्माण करावाँ!
जन-गन-मन सब मिल कै गावाँ-राष्ट्र ध्वज इतराज्यागा..!
दुनिया के म्हाँ देश हमारा सब तैं आगै आज्यागा. ..!!!

रागिनी | त्रिलोक चंद फतेहपुरी

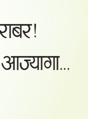

नुगरे नाग

देश मैं पळ रहे नुगरे नाग ।
मार रहे फुंकाड़ वो जालिम उगल रहे हैं आग ।

कुछ काळै कुछ चितकबरें से
पिवण साँप की ज्यूँ बिफरे से
कुंडली मार के बैठे हैं कई
इधर-उधर को बिखरे से
निर्दोषों कै डंक मार कै , फोड़ रहे हैं भाग ।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कई लांबे , कई मोटे -मोटे
नोंच -नोंच कै खावै बोटें
चादर ओढ़े भळ मणसी की
मन के उजले कर्म हैं खोटे
उनकी चालबाजियों से ही , उजड़े कई सुहाग ।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कई पिलपिले मगर हठीले
लांबी पूँछ अर दाँत नुकीले
मार - मार फण कर दें बेदम
वे बेरहम बड़े जहरीले
जहर उगल कर बुझा रहे हैं , जलते हुए चिराग ।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कुछ फणधारी कुछ मणीधारी
धन बल , छल बल के भंडारी
बदल - बदल कर अपणी केंचुली
लूट रहे हैं दौलत म्हारी
कर ले बंद पिटारी में उन्हें , ओ त्रिलोकी जाग ।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पहनावा | **कला और सौंदर्य के गहरे पारखी थे हमारे पूर्वज, प्रदेश की अमूल्य विरासत के संरक्षण की शिद्दत से दरकार**

आभूषणों में सिमटी गौरवशाली हरियाणवी विरासत

श्रृंगार | सरिता

हरियाणा की पावन धरा अपनी वीरता और कृषि प्रधान संस्कृति के साथ-साथ अपने अद्वितीय पहनावे और आभूषणों के लिए भी सारी दुनिया में एक विशेष पहचान रखती है।

यहां की माटी का सोंधापन यहां की महिलाओं के आभूषणों में भी झलकता है। हरियाणवी आभूषण केवल स्वर्ण या रजत के निर्जीव टुकड़े न होकर हरियाणवी लोक-जीवन, रीति-रिवाजों और पूर्वजों की कलात्मक सोच का जीवंत साक्ष्य हैं। यदि हम हरियाणवी देहात के पुराने संदूकों की धूल झाड़कर उन्हें खोलें, तो उनमें से ऐसी शिल्पकारी निकलती है जो आज के दौर के आधुनिकतम ज्वेलरी डिजाइनों को भी मात देने की क्षमता रखती है। यह आभूषण यहां की नारी के स्वाभिमान, उसके सुहाग की लंबी आयु और परिवार की संपन्नता के मौन उद्घोषक रहे हैं। हरियाणवी महिला के श्रृंगार की यात्रा मस्तक से आरंभ होकर पैरों की उंगलियों तक एक शास्त्रीय क्रम में चलती है। मस्तक का सबसे गौरवशाली आभूषण बोरला रहा है। लट्टू के आकार का यह गहना सुहाग का प्रतीक होने के साथ-साथ चेहरे को एक विशिष्ट सौम्यता प्रदान करता है। प्राचीन समय में इसके साथ कोड़ी और जूड़ा जैसे आभूषणों का प्रयोग बालों को सहेजने के लिए किया जाता था। माथे पर सुशोभित शीशफूल और विशेष रूप से प्राचीन काल में प्रचलित मुख का छाज चेहरे की आभा को इस प्रकार ढकते और उभारते थे कि देखने वाले को राजसी वैभव का बोध होता था। माथे पर सिंदूरी बिंदी और आंखों में दीये की लौ से पाड़ी गई स्याही यानी काजल

की गहरी धार, ग्रामीण सौंदर्य को एक नया आयाम देती थी। कानों में पहने जाने वाले डाण्डे, बुजनी, और करणफूल न केवल कान की शोभा बढ़ाते थे, बल्कि सोने के बुन्दे और झुमकों की झंकार खेतों में काम करते समय भी एक लयबद्ध मधुरता घोलती थी। नाक में पहनी जाने वाली बड़ी नथ और छोटी लौंग या कोका सुहागिन स्त्री के मुख मंडल पर चमक बिखेरते थे। गले के आभूषणों की बात करें तो यहां की विविधता चकित कर देने वाली है। पुराने समय में हंसली का बहुत महत्व था, जो चांदी का एक ठोस और भारी गोलाकार आभूषण होता था। इसके अतिरिक्त झालरा, जो चांदी के सिक्कों की एक लंबी लड़ी होती थी, ग्रामीण महिलाओं का सबसे प्रिय आभूषण रहा है। यह झालरा छाती पर लहराते हुए एक विशेष प्रकार का संगीत पैदा करता था। हरियाणवी लोकगीतों और रागिनियों में वर्णित गलश्री, जुगनी और कण्ठी जैसे आभूषण नगीनेदार सुंदरता के पर्याय रहे हैं। चम्पा कली की बहार और सीने पर पड्या हुआ जंजीरा चोंकी वाला हार उस समय के सामाजिक रसूख और वैभव को दर्शाता था। मटर माला और गुल्बन्द जैसे आभूषण मखमल के कपड़े पर सोने की टिकियों को जड़कर तैयार किए जाते थे, जो गले से सटे रहकर सौंदर्य को दोगुना कर देते थे।

हाथों और बांहों के श्रृंगार में हरियाणा का कोई सानी नहीं है। यहां बांह के ऊपरी हिस्से पर पहने जाने वाले बाजूबन्द, सितोल और बाजू चौंक जैसे भारी आभूषणों का चलन रहा है। टाड़, जो चांदी का एक अत्यधिक भारी और ठोस कड़ा होता था, महिला के धैर्य और सामर्थ्य का भी प्रतीक था। कलाई पर सजे गजरे, पोंहची, परीबन्द और चूड़ियों का रंग निराला ही होता था। कांगनी और तिरैया जैसे आभूषण हाथों की उंगलियों तक एक प्रवाह बनाते थे। विशेष रूप से आरसी, जो अंगूठे में पहनी जाने वाली एक अंगूठी होती थी और जिसमें एक छोटा दर्पण जड़ा होता था, घूंघट प्रथा के उस दौर में महिला के लिए अपना मुख और पीछे का दृश्य देखने का एक चतुर और सुंदर माध्यम थी। हथफूल की लड़ियां जब हथेली के पीछे सजती थीं, तो वह किसी शिल्पकला के नमूने जैसा प्रतीत होता था। कमर का सबसे महत्वपूर्ण आभूषण तगड़ी है, जिसे करधनी भी कहा जाता है। चांदी की बनी यह भारी तगड़ी जब घाघरे के ऊपर बांधी जाती थी, तो वह शरीर के संतुलन को बनाए रखने के साथ-साथ कमर की सुंदरता को भी उभारती थी। तगड़ी के साथ लटकता तालियों का गुच्छा और चांदी का बाजणा नाड़ा चलते समय एक विशेष धमक पैदा करता था। पैरों के आभूषणों में तो जैसे पूरा लोक-संगीत ही सिमट आता था। चांदी की भारी झांझर, नेवरी और रमझोल की झंकार जब गलियों में गूंजती थी, तो ऐसा लगता था मानो सावन की फुहारें बरस रही हों। पैरों की उंगलियों में सुशोभित बिछुए और चुटी सुहाग का अटूट हिस्सा माने जाते थे।

आधुनिक युग में समय की गति के साथ पहनावे और आभूषणों की पसंद में बड़ा परिवर्तन आया है। मशीनी युग के हल्के आभूषणों ने इन भारी और ठोस हस्तनिर्मित कलाकृतियों की जगह ले ली है। यह समझना अनिवार्य है कि ये आभूषण केवल सजावट की वस्तुएं नहीं हैं, बल्कि ये हमारी सांस्कृतिक पहचान की जड़ें हैं। ये हमें बताते हैं कि हमारे पूर्वज कला और सौंदर्य के कितने गहरे पारखी थे। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी इस अमूल्य विरासत का संरक्षण करें।

सिनेमा बिजनेस नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी : वारिस

कलाकार | डॉ. तबस्सुम जहां

वारिस इब्न फ़ारूक़ मेवात में जन्मे एक फ़िल्म निर्देशक हैं। इनका परिवार तब्लीगी जमात से ताल्लुक रखता है और जिस वातावरण से वे आते हैं, वहां फ़िल्मी दुनिया में जाना सकारात्मक नहीं माना जाता। वारिस का बचपन से ही सिनेमा के प्रति लगाव था। उन्होंने अपने बड़े भाई से प्रेरित होकर डीवीडी के ज़माने से ही हॉलीवुड की फ़िल्में देखना शुरू किया।

मदरसे में पढ़ाई के साथ-साथ उनका मन सिनेमा की ओर आकर्षित हुआ, लेकिन परिवार की उम्मीदों और डर ने उन्हें इससे दूर रखा। उन्होंने लॉ की पढ़ाई की, लेकिन अंदर से सिनेमा की चाह खत्म नहीं हुई। एक दोस्त के ज़रिये उन्हें एक अवसर मिला और उन्होंने अपने परिवार को बिना बताए सुपवा में एडमिशन लिया और फ़िल्म निर्माण इंडस्ट्री में कदम रखा। धीरे-धीरे उनके परिवार को उनकी गतिविधियों का पता चला, जिससे उनका परिवार बेहद नाराज़ हो गया। वारिस ने अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश जारी रखी। उन्होंने अपनी यात्रा को एक साहसिक कदम के रूप में देखा, जिसमें उन्होंने कई बाधाओं का सामना किया। शुरुआत में उन्हें डायरेक्शन और एडिटिंग का ज्ञान नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने वहां साउंड और सिनेमैटोग्राफी के बारे में सीखा। उन्होंने सुपवा में शॉर्ट फ़िल्म बनाई, जो कुछ

फेस्टिवल्स में पहचानी गई, जिसमें इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित एक फ़िल्म भी शामिल थी। इस प्रक्रिया में उनके परिवार का समर्थन महत्वपूर्ण रहा। वारिस का पहला प्रोजेक्ट 'वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप' इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित था, जिसमें हास्य और संदेश का मिश्रण था। इस प्रोजेक्ट को विभिन्न स्थानों पर मान्यता मिली, जिसमें इटली में एक लाइव इंटरव्यू शामिल था। इसके बाद उन्होंने अन्य फ़िल्मों जैसे 'क़रीन' और 'ज़रक' का निर्माण किया। कॉलेज में उन्हें दो डिग्री फ़िल्म बनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वारिस वर्तमान हरियाणवी सिनेमा पर चर्चा करते हुए बताते हैं कि यह सिनेमा अभी शुरुआती दौर में है, इसलिए इसकी आलोचना करने के बजाए इसे समझने की ज़रूरत है। अब धीरे-धीरे फ़िल्मों में सुधार आ रहा है और "दादा लखमी" जैसी फ़िल्में बेहतर तरीके से बन रही हैं। फिर भी हरियाणा में कम बजट और कलाकारों के शोषण की समस्या है, जिससे उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिलता। इसके बावजूद हरियाणा में काफ़ी प्रतिभा है और भविष्य में सिनेमा के बेहतर होने की उम्मीद है। वारिस ने हरियाणा स्टेज के साथ तीन प्रमुख प्रोजेक्ट्स पर काम किया है—वेब सीरीज़ "मेवात" (लेखक-निर्देशक), फीचर फ़िल्म "अंडा गैंग" (निर्देशक) और डॉक्यूमेंट्री "ऑपरेशन मेवात" (एसोसिएट डायरेक्टर)। उन्होंने यशपाल शर्मा के साथ इंडिपेंडेंट फ़िल्म "रावण" भी बनाई है, जो जल्द ही एक अच्छे प्लेटफ़ॉर्म पर रिलीज़ होने वाली है। इसके अलावा वे डी.डब्ल्यू. न्यूज़ और अल जज़ीरा जैसे अंतरराष्ट्रीय न्यूज़ चैनलों के लिए कई डॉक्यूमेंट्रीज़ बना चुके हैं। उन्हें "मेवात" के लिए बेस्ट डायरेक्टर और "मिराज" व "वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप" जैसी शॉर्ट फ़िल्मों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार मिल चुके हैं। सरकार हरियाणा में जो फ़िल्म पॉलिसी लेकर आई है, उस संदर्भ में वारिस बताते हैं कि यह एक सकारात्मक पहल है, लेकिन स्ट्रगलिंग फ़िल्ममेकर्स के लिए इसमें डायरेक्ट एक्सेस की कमी और नेटवर्क पर निर्भरता साफ़ दिखाई देती है।

> **वारिस का पहला प्रोजेक्ट 'वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप' इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित था, जिसमें हास्य और संदेश का मिश्रण था। इस प्रोजेक्ट को विभिन्न स्थानों पर मान्यता मिली, जिसमें इटली में एक लाइव इंटरव्यू शामिल था।**

इसका लंबा और औपचारिक प्रोसेस समय और संसाधन दोनों की मांग करता है, जिससे काम की गति धीमी हो जाती है। इस पर निर्भर रहने के बजाय प्रोड्यूसर्स के साथ काम करना ज़्यादा व्यावहारिक और प्रभावी विकल्प है।

इनका मानना है कि आजकल रियलिटी और सामाजिक मुद्दों पर अधिक फ़िल्में बन रही हैं, लेकिन सामाजिक मुद्दों पर फ़िल्में बनाते समय बायस के कारण संतुलन खो जाता है और वे प्रोपेगेंडा जैसी लगने लगती हैं, जबकि सिनेमा में ज़िम्मेदारी और बैलेंस बेहद ज़रूरी है। उन्होंने बताया, "और सच कहूँ तो मैं खुद भी अभी तक वैसी फ़िल्म नहीं बना पाया हूं, जिस पर गर्व कर सकूं।" उनके शब्दों में- 'दादा लखमी' जैसी फ़िल्में न केवल मनोरंजन करती हैं, बल्कि संस्कृति और विरासत को ईमानदारी से सामने लाकर इंडस्ट्री को नई दिशा देने की क्षमता रखती हैं।' नए लोगों के बारे में वारिस का कहना है कि सिनेमा सिर्फ़ बिज़नेस नहीं, बल्कि एक सामाजिक ज़िम्मेदारी है, इसलिए जो भी बनाओ, उसे पूरी ईमानदारी और समझदारी के साथ बनाओ।

कर्म कल्याणी वेलफेयर सोसायटी ने मदर्स डे मनाकर किया बुजुर्गों का सम्मान

जीवन की सबसे बड़ी शक्ति और प्रेरणा होती है मां : मौसमी कर

हिसार सोसायटी की सदस्य बुजुर्ग महिलाओं संग मदर्स डे मनाते हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

कर्म कल्याणी वेलफेयर सोसायटी की ओर से मदर्स डे सेलिब्रेशन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सोसायटी की सदस्यों ने अपनी माताजी, सास, मौसी, दादी, नानी एवं अन्य बुजुर्ग महिलाओं के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। सोसायटी की प्रधान मौसमी कर ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बुजुर्ग माताओं का सम्मान करना, उनके साथ यादगार समय बिताना एवं मातृत्व के महत्व को याद करना था। कार्यक्रम के दौरान सभी बुजुर्ग माताओं एवं महिलाओं को सम्मानित कर उपहार भेंट किए गए। साथ ही विभिन्न मनोरंजक गेम्स भी खिलाए गए, जिनमें सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में टेलेंट शो, सिगिंग, डांस, कविता पाठ एवं समय की पाबंदी का खेल जैसी आकर्षक गतिविधियां आयोजित की गईं। बुजुर्ग महिलाओं ने भी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सभी का दिल जीत लिया।

कार्यक्रम के दौरान सभी ने अपनी मां को याद करते हुए उनके प्रेम, त्याग और संस्कारों को नमन किया। सोसायटी की प्रधान मौसमी कर ने सभी को मदर्स डे की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मां हमारे जीवन की सबसे बड़ी शक्ति और प्रेरणा होती हैं तथा हमें हमेशा बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए। पूरा कार्यक्रम प्रेम, सम्मान और पारिवारिक अपनत्व से भरपूर रहा।

माताओं ने साझा किए अपने अनुभव

- मोक्ष वृद्धाश्रम में बुजुर्ग महिलाओं ने मां पंकज संधीर से गले मिलकर व्यक्त कीं भावनाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

मां को निस्वार्थ प्रेम, त्याग, अपनेपन व समर्पण के लिए जाना जाता है। मां की छत्रछाया में बच्चा न केवल अपने आप को सुरक्षित महसूस करता है बल्कि उसे दुनिया की तमाम खुशियां भी मिलती हैं। ऐसे ही स्नेहभाव के बीच लगभग 300 बुजुर्ग हिसार के कैमरी रोड स्थित मोक्ष वृद्धाश्रम में जीवन-यापन कर रहे हैं। मोक्ष वृद्धाश्रम में मनाए गए मातृत्व दिवस पर भी स्नेहभाव देखने को मिला। मातृत्व दिवस मनाते हुए मोक्ष वृद्धाश्रम की बुजुर्ग महिलाएं आश्रम की संरक्षक मां पंकज संधीर से लिपट गई। दरअसल मां पंकज संधीर जब भी आश्रम में पहुंचती हैं तो बुजुर्ग महिलाएं उनसे ऐसे लिपट जाती हैं जैसे कोई बरसों से बिछड़ा हुआ बच्चा अपनी मां से मिल रहा हो। वे उनकी हर शिकायत दूर करते हुए अपार स्नेह वृष्टि से अभिभूत कर देती हैं।

हिसार। मोक्ष वृद्धाश्रम में मां पंकज संधीर के साथ उपस्थित बुजुर्ग महिलाएं।

सारे दुख भूलकर मधुर स्मृतियां संजोए रखें

मोक्ष वृद्धाश्रम में मातृत्व दिवस पर बुजुर्ग महिलाओं ने मां पंकज संधीर के साथ अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान पंकज संधीर ने सभी बुजुर्गों से आह्वान किया कि वे पुराने दुखों को भूल जाएं और सुख व खुशी के क्षणों को मधुर स्मृतियों के रूप में संजोए रखें। इस अवसर पर मां पंकज संधीर ने कहा कि आधुनिकता की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में रिश्ते-नाते व मानवता कहीं पीछे छूट गई है। इसलिए बुजुर्ग घर की चारदीवारी में अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं या अपने घर से दूर कहीं और आश्रय लेना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि माता-पिता कितने कष्ट सहन करके अपने बच्चों को काबिल बनाते हैं। जब माता-पिता उम्र बढ़ने पर असहाय हो जाते हैं तो बच्चों का कर्तव्य है कि वे भी पूरी निष्ठा से उनकी देखभाल करें और जीवन की शाम में रंग भरने का काम करें। उन्होंने बताया कि हिसार के कैमरी रोड पर स्थित मोक्ष वृद्धाश्रम में बेसहारा, लाचार, दिव्यांग व अवसादग्रस्त बुजुर्गों की सेवा व संभाल मासूम बच्चों की तरह की जा रही है। इतना ही नहीं यहां पर बुजुर्गों के लिए आवास, भोजन व वस्त्र सहित तमाम चिकित्सा सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि हिसार के कैमरी रोड पर मोक्ष वृद्धाश्रम, मोक्ष महिला मंदबुद्धि आश्रम व मोक्ष आनंदा आश्रम का संचालन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। मां पंकज संधीर ने बताया कि मोक्ष वृद्धाश्रम की एक शाखा अंबाला में भी स्थापित है। इसी श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए अब हिसार के चौधरीवास में आचार्य श्री विद्यासमयशरणम् मोक्ष वृद्धाश्रम की स्थापना की जा रही है। मोक्ष वृद्धाश्रम में सभी त्योहार, उत्सव व विशेष दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाए जाते हैं। इतना ही नहीं बहुत से लोग अपने जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ या अन्य कोई विशेष दिवस मोक्ष वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ मनाते हैं।

ब्लू बेल्स कॉन्वेंट स्कूल में मनाया मातृ दिवस, माताओं ने किया प्रतिभा प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। ब्लू बेल्स कॉन्वेंट स्कूल में मातृ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में विजेताओं को सम्मानित करती मुख्यातिथि एवं स्कूल प्रिंसिपल सुनीता रेड्डू।

ब्लू बेल्स कॉन्वेंट स्कूल की ओर से सृष्टि वूमेन एंपावरमेंट सोसायटी के तत्वावधान में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य माताओं के त्याग, समर्पण और बच्चों के जीवन में उनके अमूल्य योगदान का सम्मान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सर्वोदय वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्षा कमलेश कुमारी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में शांता अरोड़ा अपनी टीम सहित उपस्थित रहीं। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि मां बच्चे की पहली गुरु होती है और उसके संस्कारों की नींव परिवार से ही पड़ती है। मां का स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी शक्ति है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय प्रबंधन व सृष्टि वूमेन एंपावरमेंट सोसायटी की अध्यक्ष सुनीता रेड्डू ने सभी माताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम परिवार और समाज में प्रेम, सम्मान एवं संस्कारों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के समापन पर सभी विजेताओं को सम्मानित किया गया, सभी माताओं को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ, अभिभावकगण एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रजापति बिजनेस समिट समाज की आर्थिक प्रगति और आत्मनिर्भरता का प्रेरणादायक मंच : गंगवा

- समाज के प्रतिष्ठित उद्यमियों व युवाओं से व्यापार-आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर साझा किए विचार

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। समाज के प्रतिष्ठित उद्यमियों के साथ उपस्थित मंत्री रणबीर गंगवा।

लोकनिर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने रविवार को जापति बिजनेस समिट में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने समाज के प्रतिष्ठित उद्यमियों, युवा साथियों एवं गणमान्यजनों से संवाद कर व्यापार, आत्मनिर्भरता और सामाजिक उत्थान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा किए। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज की आर्थिक प्रगति, नवाचार और उद्यमिता को नई दिशा देने वाले प्रेरणादायक मंच साबित होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार व्यापारियों, उद्यमियों और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठा रही है, ताकि हर वर्ग आर्थिक रूप से सशक्त बन सके।

रिटायर्ड आईएएस जयवीर आर्य का पैतृक गांव मिर्चपुर में ग्रामीणों ने किया जोरदार स्वागत

नारनौंद। हरियाणा कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी जयबीर सिंह आर्य हाल ही में सेवानिवृत्त हो गए। अपने लंबे सेवाकाल के दौरान उन्होंने जन-केंद्रित, पारदर्शी प्रशासन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके पैतृक गांव मिर्चपुर में पहुंचने पर जयबीर आर्य का जोरदार स्वागत किया गया। गांव की तरफ से पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि गांव की तरफ से जो मान सम्मान किया गया है, इसके लिए वह पूरे गांव के आभारी रहेंगे गांव की तरफ से 36 बिरादरी के लोगों ने जो पगड़ी पहनाकर जो सम्मान दिया है उसको वह कभी झुकने नहीं देंगे। उन्होंने युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि युवा अपना लक्ष्य निर्धारित करके मंजिल की तरफ आगे बढ़े गांव के छात्रों के पढ़ाई के लिए गांव में लाइब्रेरी का निर्माण करने में उनका अहम योगदान रहेगा। गांव के सरकारी स्कूल में मेडिकल और नॉन मेडिकल की पढ़ाई हो इसके लिए सरकारी स्कूल में छात्रों की संख्या बढ़ाने का काम करें। उन्होंने गांव की गौशाला और आर्य समाज मंदिर को 51-51 हजार रुपए भी दिए। इस अवसर पर आईएएस अधिकारी यसवीर श्योकंद, आईएएस कैप्टन मनोज राठी, ढांडा खाप के प्रधान देवव्रत ढांडा, कैप्टन टीकाराम, ओमप्रकाश ढांडा, सरपंच अशोक ढांडा, मास्टर चंद्र प्रकाश पूर्व सरपंच सत्यवान, अमीर सिंह, सुरेश कुमार, अजय पहलवान, राजेश गिल, सुनील बुढ़ाना, मास्टर रणबीर, जितेंद्र काला आदि मौजूद थे।

आंदोलनों का आगाज करेगा अध्यापक संघ : जांगड़ा

हिसार। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा व स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया से संबंधित हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ, विभिन्न जनसंगठनों, विभागीय यूनियनों व सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के पदाधिकारियों ने अध्यापक संघ के राज्य स्तरीय कौंसिल सम्मेलन को संचालित करने को लेकर रविवार को बैठक कर स्वागत समिति का गठन किया। बैठक में सर्वप्रथम नगरपालिका कर्मचारी संघ व अग्निशमन कर्मियों की हड़ताल का समर्थन किया गया और हरियाणा सरकार से मांग की गई कि सरकार तुरंत इन कर्मचारियों की मांगों को पूरा किया जाए। बैठक में पूर्व अध्यापक नेता भरत सिंह को स्वागत कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अध्यापक संघ के जिला सचिव विनोद प्रभाकर ने बताया कि 1 व 2 जून को हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की ओर से जाट धर्मशाला में राज्य स्तरीय मिड टर्म कौंसिल सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी एन भारती ने केंद्र सरकार व सभी राज्य सरकारों से टेट की अनिवार्यता को समाप्त करने के लिए कानून बनाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि 2010 से पूर्व नियुक्ति पाने वाले अध्यापकों पर टेट की शर्त थोपना न्याय संगत नहीं है। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यापक संघ के जिला प्रधान प्रमोद जांगड़ा ने बताया कि 1 व 2 जून को राज्य स्तरीय मिड टर्म कौंसिल सम्मेलन आयोजित कर आगामी आंदोलनों का आगाज किया जाएगा। बैठक में पूर्व अध्यापक नेता निर्मला और जयवीर को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया। सुरेंद्र सैनी व जिला वित्त सचिव विजेंद्र सिंह को कोषाध्यक्ष बनाया गया। कामरेड सुरेश, शमशेर नंबरदार, रमेश कुमार, धर्मवीर फोगाट, हितेंद्र सिहाग, अशोक सैनी, सुरेंद्र यादव, नरेश गौतम, शकुंतला जाखड़, मुकेश, ओमप्रकाश सैनी, सीमा देवी व मीनू रानी को उपाध्यक्ष बनाया गया। ओमप्रकाश मॉल, सुरेश रोहिल्ला, जयवीर मोर, सरबत पूनिया, सतवीर, डॉक्टर हितेश, दिनेश सिवाच, सीमा रानी, दर्शना देवी, जयसिंह वर्मा, निखिल कुमार, ऋषिकेश राजली, सरदानंद राजली, मनोज सोनी व मनोहर लाल जाखड़ को सह सचिव बनाया गया। रामू शर्मा, राजेश बागड़ी, दीपक मेहरा, वेद बूरा, नूर मोहमद, महावीर, बबीता, अलका, विरेंद्र सिंह, विजय कुमार व सुभाष जास्ट को सदस्य बनाया गया।

हिसार। बैठक में उपस्थित अध्यापक संघ व अन्य संगठनों के पदाधिकारी।

आंदोलनों की समीक्षा कर बनाएंगे रूपरेखा

अध्यापक संघ के राज्य प्रधान प्रभु सिंह ने बताया कि राज्य कौंसिल सम्मेलन में भाजपा सरकार की गलत नीतियों की पोल खोलने का काम किया जाएगा। सम्मेलन में पूर्व में किए गए आंदोलन की समीक्षा की जाएगी व आगामी आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार की गलत नीतियों के कारण सरकारी विद्यालयों में छात्रों की संख्या लगातार घट रही है। उन्होंने बताया कि अध्यापकों से अनेक गैर शैक्षणिक कार्य करवाए जा रहे हैं।

श्री श्याम मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व माता सुभद्रा की प्रतिमा स्थापित

हांसी। श्री श्याम मंदिर में रविवार को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं माता सुभद्रा की मूर्तियों की स्थापना समारोह हुआ। हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में वैदिक मंत्रोच्चारण एवं विधि-विधान के साथ मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह हवन-यज्ञ किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुति देकर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात पंजाबी बाग, दिल्ली स्थित इस्कॉन मंदिर के कमांडर विष्णु वाहन प्रभु तथा श्री श्याम मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित भागीरथ शास्त्री सहित अन्य विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चारण के बीच भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं माता सुभद्रा की मूर्तियों की स्थापना संपन्न करवाई गई। मूर्ति स्थापना के उपरांत भगवान श्री जगन्नाथ जी को छप्पन भोग अर्पित किया गया तथा श्रद्धालुओं में महाप्रसाद वितरित किया गया। समारोह में समाजसेवी विनय जैन एवं गौरव जैन ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की तथा मंदिर समिति द्वारा आयोजित धार्मिक कार्यक्रम की सराहना की। श्री श्याम मित्र मंडल एवं श्री श्याम भवन ट्रस्ट के प्रधान जगदीश राय मित्तल ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

औद्योगिक एक्सपोजर पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण भाग : कुलपति नरसी राम

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए राजीव गांधी थर्मल पावर प्लांट का औद्योगिक भ्रमण किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इंजीनियरिंग शिक्षा में औद्योगिक भ्रमण के महत्व पर बल देते हुए कहा कि औद्योगिक एक्सपोजर पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण भाग है। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक औद्योगिक तकनीकों, कार्य प्रणाली एवं कार्य संस्कृति को समझने का अवसर मिलता है तथा वे भविष्य की व्यावसायिक चुनौतियों के लिए तैयार होते हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. महेश कुमार ने कहा कि विभाग विद्यार्थियों को व्यावहारिक एवं औद्योगिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से नियमित रूप से ऐसे शैक्षणिक एवं औद्योगिक भ्रमण आयोजित करता रहता है।

हिसार। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों ने औद्योगिक भ्रमण किया।

44 विद्यार्थियों ने लिया भाग

इस औद्योगिक भ्रमण के दौरान डा. पंकज खटक, डा. राकेश कुमार व डा. राजेंद्र सिंह विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे। विभाग के शिक्षकों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा उन्हें उद्योग विशेषज्ञों से संवाद स्थापित कर तकनीकी जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस औद्योगिक भ्रमण में बीटेक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के कुल 44 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

आकाशवाणी के 90 वर्ष के उपलक्ष्य में हुआ कार्यक्रम

हिसार। प्रसार भारती के तत्वावधान में आकाशवाणी प्रसारण सेवा के 90 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक उपलक्ष्य में आज आकाशवाणी केंद्र, हिसार की ओर से विशेष 'सुगम संगीत' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्र के बहुउद्देशीय स्टूडियो में आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में संगीत की स्वर लहरियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण दूरदर्शन के प्रतिष्ठित गायक और शहर के जाने-माने संगीतकार सुमेश जोशी रहे। उन्होंने एक से बढ़कर एक गजलें पेश कर आकाशवाणी परिसर में समां बांध दिया। उनके साथ जुगलबंदी में तबला वादन बब्बू सरल (शर्मा) व हारमोनियम पर नितिन शर्मा ने साथ देकर सुमेश जोशी की गायकी को एक नई ऊंचाई प्रदान की। इस अवसर पर शहर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. संदीप कालियाना ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और आकाशवाणी की 90 वर्षों की शानदार यात्रा की सराहना करते हुए इसे भारतीय संस्कृति का संवाहक बताया। आकाशवाणी हिसार के कार्यक्रम प्रमुख पवन कुमार ने सभी कलाकारों और अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि: 'भारतीय प्रसारण सेवा की शुरुआत वर्ष 1936 में हुई थी। इस उपलक्ष्य में जहाँ आज सुगम संगीत का आयोजन हुआ, वहीं विभाग की ओर से खेल और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए रविवार को एक 'मैराथन' भी प्रस्तावित है। आकाशवाणी हिसार की उद्घोषिका ऋतु कौशिक का शानदार मंच संचालन रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी कलाकारों को सम्मानित किया गया और केंद्र के अधिकारियों सहित गणमान्य नागरिक इस यादगार शाम के साक्षी बने।

साधकों को समझाया ध्यान का महत्व

- ओशो ध्यान उपवन में मेडिटेशन कैंप आयोजित, साधकों ने बुद्ध की देशनाओं को समझा

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। स्थित ओशो ध्यान उपवन में आयोजित मेडिटेशन कैंप में उपस्थित साधक।

महात्मा बुद्ध की देशनाओं पर आधारित मेडिटेशन कैंप में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में साधकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ओशो ध्यान उपवन में आयोजत इस मेडिटेशन कैंप में स्वामी संजय व मां सांची ने विभिन्न सत्रों के दौरान साधकों को ध्यान का महत्व समझाया और उसका अभ्यास भी करवाया। इस दौरान केक काटकर सतगुरु मां अमृत प्रिया का जन्म उत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर साधकों ने नाचते व गाते हुए पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। स्वामी संजय ने ध्यान शिविर में सत्संग करते हुए कहा कि इंसान को अक्सर चिंताएं या व्यस्तताएं घेर लेती हैं और वह उन्हीं में फंसकर रह जाता है। इसके विपरीत जिस साधक ने ध्यान साधना का आनंद उठाया हो, वह सभी व्यवधानों के बावजूद ध्यान की तरफ अग्रसर होगा।

सभी से प्रेममय व्यवहार बनाए रखें

मेडिटेशन कैंप के दौरान स्वामी संजय ने कहा कि महात्मा बुद्ध ने होशपूर्वक जीने और सभी से करुणा व प्रेममय व्यवहार बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सतगुरु ओशो ने भी कहा है कि आने वाली सदी या तो युद्ध की होगी या बुद्ध की होगी। स्वामी संजय ने कहा कि विकट भौतिक परिस्थितियों के बीच आज भी बुद्ध की शिक्षाएं प्रासंगिक हैं। ओशो ने महात्मा बुद्ध की देशनाओं को जो नया रंग व ढंग दिया है, उसे भी साधकों को समझने का अवसर मिला।

कुलपति ने विश्वविद्यालय में किया दो महत्वपूर्ण अकादमिक पुस्तकों का विमोचन

वर्तमान स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान में अहम भूमिका निभाती शोध आधारित पुस्तकें : बिश्नोई

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने दो महत्वपूर्ण अकादमिक पुस्तकों- सिनबायोटिक्सः हारनेसिंग प्रोबायोटिक्स एवं प्रिबायोटिक्स फॉर न्यूट्रीशन तथा सिनबायोटिक्सः रिवोलूशनाइजिंग हेल्थ एंड डिसीज मेनेजमेंट का औपचारिक विमोचन किया। ये पुस्तकें प्रो. अनिल पंघाल, प्रो. नमिता सिंह, प्रो. आरसी कुहाड और मनदीप कुमार द्वारा लिखित हैं तथा विली द्वारा प्रकाशित की गई हैं। इन पुस्तकों में सिनबायोटिक्स (प्रोबायोटिक्स और प्रीबायोटिक्स के संयोजन) की भूमिका, पोषण, स्वास्थ्य एवं रोग प्रबंधन में उनके उपयोग तथा आधुनिक शोध प्रगतियों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है।

हिसार। पुस्तकों का विमोचन करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

ये भी रहे मौजूद

इस अवसर पर कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने लेखकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की शोध-आधारित पुस्तकें वर्तमान स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन पुस्तकों का विमोचन विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान और ज्ञान-विस्तार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस अवसर पर कुलपति के तकनीकी सलाहकार प्रो. विनोद छोकर, प्रो. नीरज दिलबागी, प्रो. अनिल कुमार भानखड़, प्रो. नमिता सिंह एवं अन्य शिक्षकगण थे।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर श्री शिव मंदिर में होगा विशेष कार्यक्रम

हिसार। केंद्र सरकार द्वारा मनाए जा रहे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में सोमवार को जिले के श्री शिव मंदिर सीसवाल धाम में एक विशेष कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उपायुक्त महेंद्र पाल ने बताया कि कार्यक्रम में नलवा विधायक रणधीर पनिहार तथा हिसार विधायक सावित्री जिंदल की भी गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम का उद्देश्य सोमनाथ मंदिर के गौरवशाली इतिहास, भारत की सांस्कृतिक विरासत तथा राष्ट्रीय स्वाभिमान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। उपायुक्त ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत की आस्था, आत्मगौरव और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों को देश की गौरवशाली परंपराओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

स्व. अर्जुनदास रल्हन की स्मृति में निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर

हिसार। दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में स्वर्गीय अर्जुनदास रल्हन की स्मृति में निशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर लगाया गया। स्व. अर्जुनदास रल्हन के पुत्र ओमप्रकाश रल्हन (साइट केयर वाले) के सहयोग से आयोजित किए गए इस शिविर में आंखों के सफेद मोतियाबिंद से पीड़ित जरूरतमंद लोगों का ऑपरेशन निशुल्क किया गया। दिव्यांग केंद्र के अनुभवी व प्रशिक्षित चिकित्सकों ने निशुल्क ऑपरेशन के उपरांत उचित परामर्श दिया और यथासंभव दवाइयां भी निशुल्क प्रदान की गई। दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अध्यक्ष डॉ. रोशनलाल गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष सीए रामनिवास अग्रवाल व सचिव मांगेराम गुप्ता ने बताया कि दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में समाजसेवियों के सहयोग से समय-समय पर जरूरतमंद लोगों की आंखों के सफेद मोतियाबिंद के निशुल्क ऑपरेशन किए जाते हैं। यहां पर सप्ताह में दो बार फ्री नेत्र ऑपरेशन की सुविधा शुरू कर दी गई है।

उकलाना में विकास और जनसेवा की जीत तय :बृजलाल बहबलपुरिया

उकलाना। उकलाना नगर पालिका चुनाव के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने कांग्रेस समर्थित निर्दलीय चेयरपर्सन प्रत्याशी रीमा सोनी के पिता महेंद्र सोनी के साथ अनाज मंडी स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, उकलाना मंडी मतदान केंद्र पर पहुंचकर रीमा सोनी के पक्ष में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद बातचीत करते हुए बृज लाल बहबलपुरिया ने कहा कि उकलाना की जनता इस बार विकास, ईमानदार नेतृत्व और जनसेवा के पक्ष में मतदान कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समर्थित निर्दलीय चेयरपर्सन प्रत्याशी रीमा सोनी को जनता का भारी समर्थन मिल रहा है तथा सभी बूथों पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर चुनाव प्रक्रिया पर नजर रखी जा रही है और कांग्रेस समर्थित टीम पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में डटी हुई है। उनके साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व बरवाला विधानसभा प्रत्याशी भूपेंद्र सिंह गंगवा, सेवादल जिला अध्यक्ष विजेंद्र कपूर, रोहतास सोनी, श्याम सुंदर सोनी, सुरेश गर्ग, बिट्टू सोनी, सज्जन जैन सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता भी थे।

खबर संक्षेप

हेरोइन सप्लाई में तीन महिलाएं जांच में शामिल

नारनौंद। बास थाना पुलिस ने हेरोइन सप्लाई नेटवर्क पर लगाम लगाते हुए तीन महिलाओं को जांच में शामिल करके उनसे नशा तस्करी से संबंधित जानकारी और रुपए बरामद करने में सफलता हासिल की है। सहायक उप निरीक्षक रमेश कुमार ने बताया कि गत 14 अप्रैल को पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव पुट्ठी से बड़छप्पर रोड स्थित माली वाले कच्चे रास्ते के पास मौजूद थी। इसी दौरान सूचना प्राप्त हुई कि पुट्ठी निवासी सोनू नशीले पदार्थों की तस्करी का धंधा करता है। वह नशीला पदार्थ लेकर आने वाला है। पुलिस टीम ने तुरंत नाकाबंदी करके तलाशी अभियान के तहत उसे 26 ग्राम हेरोइन सहित काबू कर लिया। पूछताछ के दौरान सोन ने खुलासा किया कि उसने ये नशीला पदार्थ बाला, पूनम और सुमन महिलाओं से अलग-अलग स्थानों से खरीदा था। इस पर पुलिस ने तीनों महिलाओं को जांच में शामिल किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपित महिला बाला से दो हजार रुपए, सुमन से 1500 तथा पूनम से एक हजार रुपए बरामद किए गए।

सट्टा खाइवाली करते दो काबू ₹18300 बरामद

हांसी। सीआईए-1 हांसी एवं सीआईए नारनौंद की टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए सट्टा खाइवाली करते हुए दो आरोपियों को 18 हजार 300 रुपए के साथ काबू किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान चार कुतुब गेट निवासी दीपक व राजेंद्र के रूप में हुई है। एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि गश्त के दौरान सूचना मिली कि एक युवक चारकुतुब गेट स्थित कब्रिस्तान के पास बने पार्क की दीवार के निकट सट्टा खाईवाली कर रहा है। पुलिस ने दबिश देकर आरोपी को काबू करके उससे सट्टा पर्चियां, बाल पैन तथा 13 हजार 200 नकद बरामद किए। दूसरी ओर सीआईए नारनौंद की टीम ने सूचना के आधार पर लाला हुकुमचंद जैन पार्क के नजदीक सरेआम सट्टा खाइवाली करते हुए चार कुतुब गेट निवासी राजेन्द्र को काबू किया। उसकी तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 5100 रुपए नकद बरामद हुए। पुलिस ने दोनों पर केस दर्ज कर लिए है।

राह ग्रुप फाउंडेशन करेगा हरियाणवी फैशन शो

हांसी। हरियाणवी संस्कृति, लोक परंपराओं और ग्रामीण प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से सामाजिक संस्था राह ग्रुप फाउंडेशन की ओर से इस वर्ष एक भव्य हरियाणवी फैशन शो एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। चार दिवसीय यह विशेष कार्यक्रम एक्सप्लोर इंडिया अभियान के अंतर्गत 11 से 14 जून तक पंचकूला, चण्डीगढ़ व मोरनी हिल्स में आयोजित होगा। कार्यक्रम की सबसे बड़ी खासियत सुखना लेक पर आयोजित होने वाला हरियाणवी फैशन शो रहेगा, जिसमें प्रदेशभर से चयनित प्रतिभागी पारंपरिक हरियाणवी वेशभूषा, लोक संस्कृति और देसी अंदाज की झलक प्रस्तुत करेंगे। फैशन शो में हरियाणा की प्रसिद्ध पगड़ी, दामण-कुर्ती, झुमके, खंडवा, ग्रामीण आभूषणों और लोक संस्कृति से जुड़ी झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

सूर्यवंशी महाराजा अरूट के नाम से हांसी में बनेगा देश का पहला द्वार

विधायक ने किया शिलान्यास, कहा- उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

विधायक विनोद भयाना ने रविवार को भगवान श्रीराम के आठवें वंशज सूर्यवंशी महाराजा अरूट की स्मृति में देश के पहले "महाराजा अरूट द्वार" का शिलान्यास किया। इस द्वार के निर्माण कार्य पर लगभग 90 लाख रुपये की राशि खर्च होगी। विधायक विनोद भयाना ने इस अवसर पर द्वार निर्माण के लिए अपनी ओर से पांच लाख रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा भी की।

विधायक विनोद भयाना ने कहा कि भगवान श्रीराम के वंशज महाराजा अरूट के नाम पर हांसी में द्वार का निर्माण होना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक द्वार नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली संस्कृति, सनातन परंपरा और इतिहास का प्रतीक बनेगा। विधायक विनोद भयाना ने कहा कि सूर्यवंशी महाराजा अरूट भगवान श्रीराम के आठवें वंशज माने जाते हैं।

हांसी। सूर्यवंशी महाराजा अरूट द्वार के लिए भूमि पूजन करते विधायक विनोद भयाना व अन्य।

महाराजा अरूट ने अपने शासनकाल में धर्म, न्याय, सत्य और जनकल्याण की भावना को सर्वोपरि रखा। उनका जीवन त्याग, मर्यादा, शौर्य और मानवता की सेवा का अद्भुत उदाहरण था। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भगवान श्रीराम ने मर्यादा और आदर्शों का संदेश दिया, उसी परंपरा को महाराजा अरूट ने आगे बढ़ाया। विधायक ने कहा कि महाराजा अरूट द्वार आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा और यह द्वार हांसी की नई पहचान के रूप में स्थापित होगा।

विधायक ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि दिल्ली की ओर से हांसी के प्रवेश द्वार पर शहीद राव तुलाराम की भव्य प्रतिमा एवं महाराजा अरूट द्वार का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही वहां एक अत्यंत सुंदर एवं आधुनिक चौक का भी निर्माण करवाया जाएगा, जिससे शहर की सुंदरता और ऐतिहासिक पहचान और अधिक मजबूत होगी। शिलान्यास कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाजसेवी वेद नारंग ने कहा कि महाराजा अरूट द्वार का निर्माण युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। उन्होंने कहा कि यह द्वार भगवान श्रीराम के वंशज महाराजा अरूट की गौरवशाली परंपरा और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य करेगा। वेद नारंग ने द्वार निर्माण के लिए एक लाख एक हजार रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा भी की।

इस अवसर पर विधायक विनोद भयाना की धर्मपत्नी सुनीता भयाना, पुत्र साहिल भयाना, राजपाल यादव, दिनेश भुटानी, नप प्रधान प्रवीण इलाहाबादी, मार्केट कमेटी प्रधान दिनेश धवन, उपप्रधान सुरजीत गुर्जर, ब्लॉक समिति अध्यक्ष प्रतिनिधि सुभाष यादव, महंत सागर नाथ, मंडल अध्यक्ष तनुज खुराना, रमेश मदान, अनिल सावला आदि थे।

पुलिस अधीक्षक से बातचीत करते शहर के प्रतिनिधि।

शिक्षिका सोनिया आनंद मर्डर केस में धरना-प्रदर्शन अब 15 मई को

- सोनिया आनंद हत्या मामले में एसपी से मिले जनसंगठनों के प्रतिनिधि, एसपी ने गिरफ्तारी का आश्वासन देकर मांगा समय

हिसार। शहर के सेक्टर 13 में निजी स्कूल की शिक्षिका सोनिया आनंद हत्या मामले में अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी न होने के रोषस्वरूप विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन से उनके आवास पर मिले।

प्रदेश व्यापार मंडल के अध्यक्ष बजरंग गर्ग के अनुसार पुलिस अधीक्षक ने सोनिया के कातिल को जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अपराधी को पकड़ने के लिए रात-दिन लगा हुआ है। पुलिस अधीक्षक ने अपराधी को पकड़ने के लिए कुछ दिनों का समय मांगा। ऐसे में पंचायत में सर्वसम्मति से फैसला किया कि 11 मई को किया जाने वाला धरना-प्रदर्शन 4 दिन के लिए टाल दिया गया है। यदि 14 मई तक आरोपी न पकड़े गए तो 15 को धरना-प्रदर्शन होगा, जिसमें सभी सामाजिक, धार्मिक व व्यापारी संगठन के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस मौके पर पूर्व मेयर गौतम सरदाना, समाजसेवी गुलजार सिंह काहलो, सीए पवन गिरधर, राजगुरु मार्केट एसोसिएशन के प्रधान टीनू आहूजा, सुरेंद्र बजाज, न्यू राजू मार्केट के प्रधान राजेंद्र चुटानी, अनाज मंडी के प्रधान मांगेराम रावलवासिया, पुरानी अनाज मंडी प्रधान सीताराम सिंगल, डॉक्टर रमेश पूनिया, राजगुरु मार्केट आर्गेनाइजेशन से अक्षय मलिक, अग्रवाल विकास संगठन के जिला प्रधान सत्यपाल अग्रवाल, सब्जी मंडी एसोसिएशन के प्रधान विशंभर कथूरिया, प्रदेश सचिव निरंजन गोयल, प्रमुख समाजसेवी ओमप्रकाश असीजा, शुभम बलेचा, ओमप्रकाश बजाज, भीमसेन बवेजा, मनोहर कथूरिया, सुरेश पपनेजा अनिल पपनेजा आदि प्रतिनिधि मौजूद थे।

किसानों व युवाओं के हितों की रक्षा जरूरी: गारनपुरा

हिसार। जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले पर्यटन विकास मंच के चेयरमैन राजेश गारनपुरा ने कहा है कि प्रदेश की उन्नति के लिए किसानों और युवाओं के हितों की रक्षा करना अनिवार्य है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों व विपक्षी दलों के नेताओं से आह्वान किया है कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर किसानों की समस्याओं और जनहित के मुद्दों पर पुरजोर तरीके से आवाज उठानी चाहिए। राजेश गारपुरा ने पूर्व प्रत्याशी व वरिष्ठ भाजपा नेता मदन रावलवासिया द्वारा पर्यटन विकास मंच की मांगों और किसान हितों की आवाज का समर्थन करने के लिए आभार भी जताया है। उन्होंने कहा कि मदन रावलवासियां की तरह हर नेता को जनहित के मुद्दों का खुलकर समर्थन करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यटन विकास मंच लंबे समय से हरियाणा में रोजगार के अवसर पैदा करने और किसानों की वाजिब मांगों को लेकर धरातल पर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वे जनता की आवाज बनें। आज किसानों को ठोस समर्थन और युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसरों की आवश्यकता है। पर्यटन विकास मंच इन प्राथमिकताओं को लेकर लगातार सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करता रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास की राह खेतों और पर्यटन स्थलों से होकर गुजरती है। यदि इन क्षेत्रों पर ध्यान दिया जाए तो न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी बल्कि पलायन जैसी समस्याओं पर भी लगाम लगेगी।

- पर्यटन विकास मंच के चेयरमैन ने जनहित के मुद्दे उठाने का किया आह्वान

विकलांग अधिकार मंच ब्लॉक नारनौंद के प्रधान बने मास्टर सतीश माजरा

- दिव्यांग खिलाड़ियों को स्मृति चिह्न देकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

विकलांग अधिकार मंच हरियाणा की ब्लॉक नारनौंद कमेटी का सातवां सम्मेलन संस्कृत महाविद्यालय नारनौंद में हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता राममेहर रोहिला ने की और संचालन मास्टर सतीश माजरा ने किया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में नपा चेयरमैन शमशेर कूकन ने शिरकत की, मुख्य वक्ता बतौर ऋषिकेश राजली रहे। जिला उप प्रधान सूबे सिंह लोहान ने सभी का स्वागत किया।

इस अवसर पर सर्व समिति से कार्यकारिणी का भी गठन किया गया जिसमें सतीश माजरा को प्रधान चुना गया। विजेता खिलाड़ियों को नपा चेयरमैन शमशेर कूकन ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।मास्टर सतीश माजरा और सतीश कापड़ो ने पिछले दिनों दो दो गोल्ड मेडल जीते थे तथा संदीप कापड़ो ने एक गोल्ड व एक सिल्वर प्राप्त किया था। महेंद्र नारनौंद ने भी एक सिल्वर मेडल प्राप्त किया। सम्मेलन में सर्वसम्मति से 13 सदस्यों की कमेटी का गठन किया गया। इसमें मास्टर सतीश माजरा को प्रधान, शकुंतला को सचिव, राममेहर रोहिला को कोषाध्यक्ष, कुलदीप उर्फ बबलू को उप प्रधान, महेंद्र को सह सचिव, सलाहकार सूबे सिंह लोहान, विकाश सोनी, अजीत पेटवाड़, सतीश नारनौंद, शमशेर, सुनील जांगरा, राकेश नारनौंद, सत्यवान, को सदस्य चुना गया है। जिला उप प्रधान सूबे सिंह लोहान ने बताया कि 24-25 मई को हिसार का जिला सम्मेलन किया जाएगा। इससे पहले खेड़ी चोपटा ब्लॉक का सम्मेलन किया जाएगा। महासचिव ऋषिकेश राजली ने बताया कि सितंबर में राज्य का सम्मेलन किया जाएगा। इससे पहले सभी जिलों के सम्मेलन किए जा रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को लेकर सरकार का दिव्यांग के ऊपर कोई ध्यान नहीं है। इसलिए राज्य सम्मेलन में बड़े आंदोलन की रूपरेखा बनेगी।

नारनौंद। दिव्यांग खिलाड़ियों को सम्मानित करते नपा चेयरमैन शमशेर कुकन व अन्य।

नशा मुक्ति टीम ने ढंढूर में लोगों को किया जागरूक

हिसार। पुलिस की नशा मुक्ति टीम की ओर से गांव ढंढूर में एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे की गर्त से बाहर निकालना और समाज को इस बुराई के प्रति सचेत करना रहा। नशा मुक्ति टीम ने ग्राम वासियों, नशा पीड़ितों और उनके परिवारों से मुलाकात की। ग्रामीणों को नशे से होने वाले शारीरिक, आर्थिक और मानसिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अभियान के दौरान रविवार को एक नशा पीड़ित की पहचान की गई और उसका डोजियर फॉर्म भरा गया ताकि भविष्य में उसकी रिकवरी की निगरानी की जा सके। टीम द्वारा ग्रामीणों से नशा तस्करों के बारे में गुप्त जानकारी साझा करने की अपील की गई, ताकि नशे की सप्लाई चेन को तोड़ा जा सके। नशा मुक्ति टीम ने केवल जागरूक ही नहीं किया, बल्कि पीड़ितों को उपचार दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाई। इसके तहत तीन नशा पीड़ितों को पहली बार सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक और एलोपैथिक दवाइयां शुरू करवाई गईं। इसी तरह पांच नशा पीड़ितों को दूसरी बार अस्पताल ले जाकर उनके जरूरी टेस्ट और काउंसलिंग करवाई गई। टीम के विशेष प्रयासों और डॉ. प्रशांत के सहयोग से एक नशा पीड़ित की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे सरकारी अस्पताल की इमरजेंसी में दाखिल करवाया गया। मरीज की देखभाल के लिए उसके भाई शुभम को साथ रखा गया है। नशा मुक्ति टीम ने गांव के गणमान्य व्यक्तियों और युवाओं से अपील की कि वे इस अभियान में पुलिस का सहयोग करें। टीम के सदस्यों ने जोर देकर कहा कि नशा न केवल एक व्यक्ति को बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। यदि कोई युवक नशे की लत में है, तो उसे छुपाने के बजाय उसका उपचार करवाएं ताकि वह पुनः मुख्यधारा में लौट सके।

मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखेंगे सफाई व फायर ब्रिगेड कर्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

नगर पालिका के सफाई कर्मचारी और फायर ब्रिगेड के कर्मचारी पिछले काफी दिनों से अपने काम को छोड़कर हड़ताल पर गए हुए हैं। इस कारण शहर के हालात बदतर होते जा रहे हैं। शहर में जगह-जगह पर कूड़े की ढेर लगे हुए हैं वहीं आगजनी की घटना होने पर भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर पालिका के प्रांगण में सफाई कर्मचारी व अग्निशमन के कर्मचारी हड़ताल पर रहे। रविवार की हड़ताल की अध्यक्षता रामकरण व मंच का संचालन नरेश कुमार ने किया। नरेश कुमार ने कहा कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, कौशल रोजगार को बंद करना, जनसंख्या का अनुपात में कर्मचारी भर्ती करना यह हमारी मुख्य मांगे हैं। अग्निशमन विभाग से राज्य के महासचिव देवेंद्र लोहान ने बताया कि जब तक हमारी मांग सरकार नहीं मान लेती तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। जिला वरिष्ठ प्रधान नसीब ने कहा कि सरकार नगर पालिका, हरियाणा रोडवेज, सरकारी अस्पताल, सरकारी स्कूल, कॉलेज में सभी जगह सफाई का काम सबसे पहले होता है, वहां पर सफाई कर्मचारियों की कोई पोस्ट नहीं है। स्कूलों में भी मास्टर अपने पास से पैसे देकर स्कूलों में सफाई का काम करवा रहे हैं। इकाई प्रधान मंसाराम ने कहा कि सरकार जब तक हमारी मांगों को पूरा नहीं करती तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। इस अवसर पर धर्मवीर, सुंदर, राजवीर, रमेश, ब्लॉक प्रधान फायर से रणबीर, दीपक आदि मौजूद रहे।

विश्वास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मातृ दिवस पर कार्यक्रम

हिसार। अर्बन एस्टेट स्थित विश्वास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मातृ दिवस का आयोजन बेहद हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय एवं गरिमामय हो उठा। इस अवसर पर कक्षा नर्सरी से लेकर दूसरी कक्षा तक के बच्चों की माताओं को आमंत्रित किया गया। स्कूल परिसर में माताओं और उनके बच्चों के लिए अनेक रोचक एवं संवादात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्कूल प्रशासन ने सभी विजेता माताओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

एथलेटिक्स और चेस प्रतियोगिता में विज्डम स्कूल ओवर ऑल चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

साउथ बाइपास स्थित विज्डम स्कूल में आयोजित जोनल लेवल एथलेटिक व चेस प्रतियोगिता बड़े उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुई। प्रतियोगिता में हरियाणा जॉन के विभिन्न शहरों से आए 13 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लेते हुए अपनी बुद्धिमत्ता एकाग्रता और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में विज्डम स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल ओवर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। विद्यालय के खिलाड़ियों ने 25 गोल्ड, 34 सिल्वर एवं 24 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल रहा।

वहीं दूसरी ओर चल रहे चेस प्रतियोगिता में अंडर -17 छात्र वर्ग व अंडर -17 छात्रा वर्ग ने द्वितीय स्थान व अंडर-14 छात्र वर्ग व अंडर-14 छात्रा वर्ग ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का परचम लहराया। कार्यक्रम में उपस्थित स्कूल संचालक हरिपाल पिलानिया ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया व विजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। विद्यालय प्रबंधन एवं प्रधानाचार्या ने सभी खिलाड़ियों, कोच एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं और ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन तथा टीम भावना का विकास करते हैं।

पेंशनर्ज ने सरकार के प्रति जताई गहरी नाराजगी

हिसार। हरियाणा स्टेट पेंशनर्ज समाज, हिसार इकाई की कार्यकारिणी की बैठक क्रांतिमान पार्क में जिलाध्यक्ष रोहताश छाछिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 8वें वेतन आयोग को लेकर केन्द्र सरकार के प्रति गहरी नाराजगी प्रकट की गई। कार्यकारिणी के मुख्य सरंक्षक राजेन्द्र सिंह नैन एवं प्रदेश सलाहकार भरत सिंह पूनियां ने बताया कि आठवें वेतन आयोग में पैंशनर्ज के साथ उदासीन रवैया अपनाने पर, 65, 70 व 75 की आयु उपरांत पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर 5, 10 व 15 प्रतिशत बेसिक पेंशन में बढ़ोतरी करने, चिकित्सा भत्ता बढ़ाने, कम्युटेशन की राशि 15 वर्ष की बजाय 12 वर्ष की जाए क्योंकि ब्याज दर अब 13 प्रतिशत से घटकर 7 प्रतिशत रह गया है, आदि मांगों पर विचार करके सरकार से सभी मांगें पूरी करने का अनुरोध किया गया। इस अवसर पर दलबीर सिंह पंघाल, चेयरमैन कृष्ण कुमार दुआ, किरण दत्त शर्मा, रविन्द्र कुमार, रामप्रकाश शर्मा, पुरुषोतम, सुभाष वर्मा, रामप्रताप आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

आयोजन | समर्थगुरु धारा संघ के तत्वावधान में संडे ध्यान कार्यक्रम

अनंत ऊर्जा और आंतरिक शांति की ओर ले जाता ब्रह्मनाद ध्यान : आचार्य जितेन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

समर्थगुरु धारा संघ के तत्वावधान में रविवार को आयोजित साप्ताहिक संडे ध्यान कार्यक्रम में आचार्य जितेन्द्र के सानिध्य में ब्रह्मनाद ध्यान का दिव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम में अनेक साधकों ने भाग लेकर गहन शांति, सकारात्मक ऊर्जा और आत्मिक अनुभूति का अनुभव किया।

ध्यान सत्र के दौरान साधकों ने मन, शरीर और आत्मा की गहराइयों में उतरते हुए आंतरिक शांति, एकाग्रता और आध्यात्मिक जुड़ाव का अनुभव किया। ब्रह्मनाद ध्यान के माध्यम से साधकों को अंतर्मन की दिव्य ध्वनि और आत्मिक शक्ति से परिचित कराया गया।इस अवसर पर आचार्य जितेन्द्र ने कहा कि ब्रह्मनाद ध्यान अनंत ऊर्जा से जुड़ने का एक सशक्त माध्यम है। नियमित ध्यान अभ्यास से व्यक्ति के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और वह अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने की दिशा में अग्रसर होता है। उन्होंने बताया कि ध्यान की विभिन्न विधियां और तकनीकें होती हैं, जिन्हें प्रशिक्षित आध्यात्मिक गुरु के मार्गदर्शन में करने से साधक को अधिक लाभ प्राप्त होता है। कार्यक्रम के दौरान ध्यान स्थल पर अनुशासन, मौन और सकारात्मक ऊर्जा का विशेष वातावरण बना रहा। ध्यान के उपरांत साधकों ने मानसिक हल्कापन, शांति और एकाग्रता में वृद्धि का अनुभव साझा किया। कई प्रतिभागियों ने इसे दैनिक जीवन में संतुलन, मानसिक स्वास्थ्य और सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला अनुभव बताया।

कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रीय संयोजक आचार्य सुभाष ने साधकों को संबोधित करते हुए ध्यान को जीवन में अपनाने का संदेश दिया तथा सभी को आध्यात्मिक जागृति और सकारात्मक जीवनशैली की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया।

हिसार। ध्यान साधना केंद्र के ध्यान कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे साधक।

सर्वसम्मति से पशुपालन विभाग की चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यूनियन के ब्लॉक प्रधान बने गुरमीत

हांसी। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यूनियन पशुपालन विभाग का सम्मेलन पशुपालन विभाग हांसी के प्रांगण में जिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में राज्य प्रधान रवि चौहान सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य कोषाध्यक्ष सुरेंद्र यादव, हांसी ब्लॉक प्रधान रविंद्र शर्मा विशेष तौर पर उपस्थित रहे। जब कि मंच का संचालन एसकेएस ब्लॉक वरिष्ठ उप प्रधान राजेश शर्मा ने किया।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा राज्य कैशियर सुरेंद्र यादव, राज्य प्रधान रवि चौहान, ब्लॉक प्रधान रविंद्र शर्मा की देखरेख में सर्व सम्मति से हांसी जिले की कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से गुरमीत को ब्लॉक प्रधान, सूरज वर्मा को सचिव, विनोद कुमार को कोषाध्यक्ष, रोहित यादव को वरिष्ठ उपप्रधान, जितेन्द्र को उपप्रधान और भूपेंद्र धमाणा सह सचिव, सुनील सैनी को ऑडिटर, अजय पाली सचिन जांगड़ा को सर्व सम्मति से प्रेस सचिव बनाया गया। चुने हुए पदाधिकारियों को राज्य कैशियर सुरेंद्र यादव ने यूनियन की पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर राज्य कैशियर सुरेंद्र यादव ने कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांग करते हुए कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी सरकार पक्का करने की नीति नहीं बनाई रही है। सरकार द्वारा आठवें वेतन आयोग को जल्द लागू करने पर जोर दिया। सरकार द्वारा कर्मचारी व मजदूर विरोधी श्रम कानून लागू करने विरोध प्रकट किया।

राज्य प्रधान रवि चौहान ने ग्रुप डी कॉमन कैडर कर्मचारियों की जल्द से जल्द विभागीय प्रमोशन पर सरकार की नीति स्पष्ट करने की मांग की व विभाग में हजारों की संख्या में सफाई कर्मचारी व चौकीदार के पद खाली पड़े हैं।